शासकीय दंत चिकित्सा महाविघालय इंदौर

//प्रकाशनार्थ//

शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, इंदौर में आज एक विशेष व्याख्यान "परीक्षा पर चर्चा विषय पर आयोजित किया गया । इस अवसर पर मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के माननीय कुलगुरु (कुलपति) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. अलका गुप्ता द्वारा स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि परीक्षा केवल शैक्षणिक आकलन का साधन नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के धैर्य, आत्मविश्वास और मानसिक मजबूती की भी परख होती है। ऐसे अवसरों पर विद्यार्थियों को सकारात्मक ऊर्जा और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

माननीय कुलगुरु महोदय ने अपने प्रेरक व्याख्यान में विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारीए समय प्रबंधनए तनाव से मुक्ति एवं जीवन मूल्यों के साथ संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

विशेष रूप से उन्होंने सभी विद्यार्थियों को मात्र भाषा में दंत शिक्षा (Dental Education) अपनाने के लिए प्रेरित किया तथा जानकारी दी कि विश्वविद्यालय इसके प्रोत्साहन हेतु विद्यार्थियों को आर्थिक पुरस्कार (Monetary Award) एवं परीक्षा शुल्क में छूट (Concession in Examination Fee) जैसी सुविधाएँ प्रदान कर रहा है। यह घोषणा विद्यार्थियों में उत्साह और गर्व का विषय बनी।

कार्यक्रम के अंतर्गत एक खुले संवाद सत्र (Open Interactive Session) का भी आयोजन किया गयाए जिसमें विद्यार्थियों ने परीक्षा से जुड़ी समस्याएँ रखीं और माननीय कुलगुरु महोदय ने उनका समाधान प्रस्तुत किया। इस सत्र में शोध एवं नवाचार (Research & Development) को बढ़ावा देने पर भी विशेष चर्चा हुई।

इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य, स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने इस व्याख्यान को अत्यंत लाभप्रद एवं प्रेरणादायी बताया।

कार्यक्रम से पूर्व माननीय कुलगुरु महोदय ने महाविद्यालय के विभिन्न विभागों का भ्रमण किया। विभागाध्यक्षों एवं संकाय सदस्यों ने अपने-अपने विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान कार्यों और अधोसंरचना की जानकारी प्रस्तुत की। कुलगुरु महोदय ने महाविद्यालय में चल रहे शैक्षणिक और दैनिक कार्यों की सराहना की तथा छात्रों और शिक्षकों के प्रयासों को उत्कृष्ट बताया ।

12.9.25

Dr. Alka Gupta
Principal
Govt. College of Dentistry Indore

माननीय कुलगुरु महोदय ने यह भी उल्लेख किया कि दंत शिक्षा को मातृभाषा में उपलब्ध कराना समुदाय के स्वास्थ्य संवर्धन हेतु अत्यंत आवश्यक है। मातृभाषा में शिक्षा से न केवल विद्यार्थियों को विषयवस्तु गहराई से समझने में सुविधा होती है, बल्कि वे आमजन तक दंत स्वास्थ्य के संदेश सरल भाषा में पहुँचाकर समाज में जागरूकता फैलाने में भी अधिक सक्षम हो पाते हैं। उन्होंने कहा कि मातृभाषा आधारित शिक्षा से समुदाय का विश्वास, सहभागिता और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ती है, जिससे दीर्घकालीन रूप से जनस्वास्थ्य में सुधार संभव हो पाता है।

12.9.25

(डॉ. अलका गुप्ता)
प्राचार्या
दंत चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर

Dr. Alka Gupta
Principal
Govt. College of Dentistry Indore

प्रति,
संपादक दैनिक
_____
समाचार पत्र इंदौर ।